



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 5]

नई दिल्ली, बुध्स्पतिवार, जनवरी 1, 1981/पौष 11, 1902

No. 5]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 1, 1981/PAUSA 11, 1902

हस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह बलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

अनुबंध

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1981

निर्यात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 5-ईटीसी (पी एन)/81

विषय : 1981 के दौरान फिनलैण्ड को वस्त्र उत्पादों के निर्यात के लिए योजना—भारत मर्च का कोटा मुक्त निर्यात

मिसिल सं० 2/54/80-ई-1.—1981 वर्ष के लिए फिनलैण्ड को कुछ वस्त्र उत्पादों के निर्यात समय-समय पर यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं० 46-ई टी सी (पी एन)/80 और 47-ईटीसी (पीएन)/80, दिनांक 28 जुलाई, 1980 के माध्यम से अधिमूर्चित योजनाओं के अनुसार विनियमित किए जायेंगे। भारत-फिनलैण्ड वस्त्र समझौते की मध्यावधि पुनरीक्षा के परिणामस्वरूप फिनलैण्ड सरकार ने यह मान लिया है कि भारत मर्च अर्थात् भारत के परंपरागत लोक प्रचलित हस्तशिल्प वस्त्र उत्पाद जब फिनलैण्ड में आयात होंगे तब वे किसी प्रकार की मात्रिक प्रतिबंधना के अधीन नहीं होंगे और उनके ग्राह्य मक्षम प्राधिकारियों का प्रमाणपत्र होगा। भारत मर्च की स्वीकृत सूची अनुबंध-I में है और प्रमाणपत्र का प्रपत्र अनुबंध-II पर है।

2. वस्त्र समिति और अधिन भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड अनुबंध I पर सूचीबद्ध उन संबंधित मर्च के आवश्यक निरीक्षण के बाद अनुबंध II के प्रमाणपत्र को जारी करने के लिए मक्षम प्राधिकारी होंगे जिनका निर्यात 1 जनवरी, 1981 से किसी भी कोटा प्रतिबंध से मुक्त होगा।

मणिरायण स्वामी, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

भारतीय मर्च की सहमत सूची अर्थात् भारत के परंपरागत लोक-प्रचलित हस्तशिल्प वस्त्र उत्पाद

भारतीय मर्च वे मर्च है जो परंपरागत लोक प्रचलित वस्त्र उत्पाद है, अनुपम और ऐतिहासिक रूप से भारतीय हैं और कुटीर उद्योग में तैयार की जाती हैं। उनमें निम्नलिखित बनाए गए उत्पाद (कपड़े और कपड़े के अनुषंगी, सजावटी सामान) और समय-समय पर सहमत होने वाली अन्य मर्च शामिल है।

कपड़े और कपड़े के अनुषंगी

नीचे सूचीबद्ध सभी पोशाक और अनुषंगी, उन कपड़ों और अनुषंगी जो परंपरागत रूप से भारत में पहने जाते हैं के आधार और डिजाइन में मेल खाने के कारण अनुपम और ऐतिहासिक रूप से भारतीय परंपरागत लोक-प्रचलित वस्त्र उत्पाद है।

नीचे सूचीबद्ध उत्पादों में निम्नलिखित विवेचनाएं अवश्य होनी चाहिए :—

—वे लघु उद्योग एककों में तैयार किए जाने हों।

—उनमें जप फास्टर न हो।

—उन्हें निम्नलिखित किसी एक विधि का उपयोग करके हुए भारतीय लोक रीति की विवेचना के साथ सजाया जाता हो।

—हाथ की पेंटिंग, हाथ की छपाई, हस्तशिल्प बाटिक प्रयत्न हाथ से बांधा और रंगा जाता हो (कलमकारी)

— कशीदाकारी अथवा काटे से बुनाई करके सजाया गया हो।

— क्रमिक गोटा-पट्टी का काम, शीशे अथवा लकड़ी के मनको, छोल, आइनों या वस्त्र के सजावटी मूल अथवा हाथ से सँवार किए गए अन्य भाग।

— अतिरिक्त सजावटी बाना।

क्रम सं०	नाम	विवरण
1. सुरता	प्रायः सीधी कटाई की ढीली कमीज या कुर्ते की तरह की पोशाक जो तिनम्ब तक, जांघ के मध्य तक, घुटनों या टखनों तक पहुंचती है और जो तीन-चौपाई, आधी या पूरी लंबाई में हो और जिसकी बाजू तंग या ढीली हो चाहे उसमें बटन हों या न हों (प्लेन न हो)।	
2. पहरोन	कम अथवा पूरी लंबाई की पूर्ण रूप से ढीली फिटिंग की ड्रेम जिसकी बाजू लम्बी, ढीली हों और बगैर बटनों, कशीदाकारी सजावट या छपाई की हों।	
3. चोला	पूरी लम्बाई, ढीली फिटिंग की ड्रेम की किस्म की पोशाक जिसकी बाजू हो और मुख्य रूप से घर में पहनने की हो।	
4. चूड़ीदार पाजामा	पाजामे, कमर से ढीले (नाले के साथ या हुक से बांधे जाने वाले) जो टखनों पर फिट हों।	
5. सलवार	ढीली फिटिंग के पाजामे, टाँगें सीधी या बोगी हों और जाँघों पर पूर्णतः ढीली हो।	
6. गरारा	ढीली फिटिंग के पाजामे फ्लैट या नीचे टखनों तक फ्लेरिंग के साथ।	
7. लम्बा	ढीली फिटिंग के पाजामे विशिष्ट भारतीय हाथ से सजावटी काम के साथ।	
8. लुंगी	एक लम्बी बैलनाकार पोशाक जो शरीर के निचले आधे भाग को लपेटने के रूप में पहनी जाती है।	
9. अंगरखा	बाजू के साथ पूरी लम्बाई, हल्के वजन की कोट की किस्म की पोशाक जो आगे से बन्द हो और उस पर सजावटी रस्मी या रिज्जन हो।	
10. अगल लम्बी	पूरी बाजू या आधी बाजू वाली घुटनों तक लम्बी या पूरी लम्बाई की जैकेट या कोट की किस्म की पोशाक जो साइड से रस्मी के साथ बन्द होती है।	
11. अबा	बाजू के साथ पूरी लम्बाई के साथ तंग फिटिंग की बाड़ी वाली, लम्बी, चौड़ी स्कर्ट की पोशाक।	
12. बुरका	पूरी लम्बाई में टोपीनुमा पोशाक जो पहनने वाले के निर और शरीर का ढकती है और आँखों के लिए छिद्र हो और उन छिद्रों पर गेज या फीता लगा हुआ हो।	

क्रम सं०	नाम	विवरण
13.	जवाहर जैकेट	एक ढीली फिटिंग की जैकेट या कमर का कोट जो कुर्ते के ऊपर पहना जाता हो बटन या बटन के बगैर।
14.	चौली	बाजू या बाजू के बगैर एक छोटी बाड़ीज जो काटे से बुनाई या मिनाई की गई हो।
15.	घाघरा लंहगा	टखनों तक की लम्बाई वाला बहुत अधिक चौड़ाई वाली स्कर्ट जिसमें कमर पर रस्मी या हुक लगे हुए हो।
16.	पवादे	पूरी या टखनों तक की लम्बाई वाली स्कर्ट और बाड़ीज का सेट।
17.	हुपट्टा	बहुत हल्के वजन का बना हुआ स्कर्ट जिसकी लम्बाई लगभग 120 सेंमी० × 80 सेंमी० हो और जो कुर्ते या चूड़ीदार पाजामे पर ओढ़ा जाता हो।
18.	ओढ़नी	बहुत सजावटी सामान के साथ लगभग 2 सेंमी० × 1 सेंमी० का कपड़ा।
19.	पटका	एक लम्बा स्कॉट पट, बिना छपाई के सजावटी कलाकारी काम के साथ।
20.	गुलुबंद	परम्परागत कलाकारी काम के साथ गरदन पर लपेटे जाने वाला कपड़ा।
21.	कमरबन्द	सजावटी कमर को बान्धने वाला कपड़ा और काट्टे का बन्ट।
22.	बाजूबन्द	सजावटी बाजू बैण्ड।
23.	सजावटी	सजावटी साथे का बैण्ड।
24.	साफा	परम्परागत छाई या कशीदाकारी काम के साथ बना हुआ हाथ का वस्त्र।

## II. सजावटी सामान

25. तौरन	कपड़े की एक वस्तु जो परम्परा से घरवाशों को सजाने के लिए उपयोग में लाई जाती रही है और जो कशीदा की गई हो या लोक मूल की गोटा पट्टी के काम के साथ हो।
26. थोमबाई	नक्काशी काम के साथ अथवा हाथ से छपे हुए, हाथ से चित्रकारी किए हुए अथवा हाथ से कशीदाकारी किए हुए बैलनाकार वस्त्र जो कि परम्परागत छत पर अथवा ढरवाजे के रास्ते में टंगे हुए।
27. शमियाना	छत की सजावट के लिए विभिन्न रंगों में नक्काशी के काम सहित कुम्भाकार अथवा त्रिकोण वाली कनीधी अथवा शमियाना।
28. कलमकारी	मोम उपयोग से लपेटे हुए हाथ की चित्रकारी अथवा हाथ की छपाई द्वारा दर्शाए गए पौराणिक दृश्यों के साथ दीवार पर चित्रकारी।

क्रम सं०	नाम	विवरण	क्रम सं०	नाम	विवरण
29	मन्दिर का मजाबटी सामान	परम्परागत पौराणिक अथवा धार्मिक कलाकृतियों के साथ हाथ में चित्रकारी अथवा हाथ में छपाई की गई झण्डिया ।			झूठी हुई ऊत एन्ट अथवा जूट जिसमें सूती पैकिंग किया गया हो अथवा नहीं ।
30	चकला	लोक मूल प्रदर्शित करने हुए शीशे या खुरी शीशे के काम के साथ कढ़ाई किए हुए बीवार के मजाबटी सामान ।	39	ताइस	विभिन्न आकृति एवं आकारों में परम्परागत कशीदाकारी की हुई अथवा बगैर कशीदाकारी पोलिट्टि ऊनी सतह के साथ फर्श के तक्कन ।
31	वाटिक नाल पीगेज	परम्परागत हस्त-शिल्प छपाई समाधन द्वारा डिजाईनदार सूती मजाबटी बीवार सामान ।	अनुबन्ध 2		
32	चादनी पोश	वायदाती अथवा कफ़ी पात्र के लिए एक सजावटी ढक्कन ।	12-11-1980 के सहमत कार्ययुक्त द्वारा गभोधित फिनलैण्ड की सरकार की समझ-बूझ के साथ जारी किए गए जापान की पुष्टि में परम्परागत लोक प्रचलित वस्त्र हस्तशिल्प मदों (भारत की मदों) में संबंधित प्रमाण-पत्र ।		
33	तकिया गिलाफ	भारतीय मूल में युक्त एक मजाबटी तकिए का गिलाफ	1	नियतिका का नाम	
34	फलकारी	फूलों की तरह लगने वाली कशीदाकारी की हुई बेलदार अथवा सीधी सिल्क का कपड़ा जिसमें पाम-पाम टाके लगे हुए हों । मजाबटी कशीदाकारी की गई हों ।		पूरा पता और देश	
35	गद्दीपोश	जिम्बर की मजाबटी चदरे जो कभी कभी रजाई नुमा हों ।	2	परेपिती का पूरा नाम और पता	
36	गलीचे जिनमें हाथ से गाठ लगाई गई हों	ऊनी अथवा सूती ताना और बाना और गाठ लगे हुए ऊनी रेजो जिसकी प्रत्येक गाठ हाथ से लगाई गई हों और जो दोनों तरफ धागों को जोड़ती हों । गाठों की प्रत्येक पंक्ति के पश्चात् बादर में एक बना हुआ धागा निकाला जाता है । गलीचे की अपेक्षित मोटाई के लिए रेजो को हाथ में बाँटा जाता है । उपयोग में लाए गए परम्परागत नमूने भारत और दक्षिण एवं मध्य एशिया के पड़ोसी क्षेत्रों में एक समान हैं और ग्रामीण पर धातुमय, पशु तथा ज्यामितीय कलाकृतियों की आधार पर, एक ही डिजाइन अथवा बार-बार दर्शाई जाने डिजाइन जो कि बादर, परम्परागत चित्रों का वर्णन वाले गलीचे (उदाहरणार्थ कोर्ट एटिंग पोलो, जगम के दृश्य आदि) प्राचीन स्मारकों और भित्ति चित्रों से प्राप्त भारतीय कलाकृतियों के साथ आधुनिक डिजाइन और बिना नमूने के एक ही रंग के गलीचे जो भारत में हाथ द्वारा बनाए गए हैं ।	3	उद्गम देश	
37	हाथ से बुने हुए गलीचे	केलोन स्कुमेक और करमानिया किस्म के ।	4	गन्तव्य देश	
38	गाबा	फर्श पर हाथ से की गई कशीदाकारी अथवा तक्काशी का काम	5	पोतपदान का स्थान, और तारीख और यातायात का जरिया	
			6	यदि कोई हो, परिपूरक विवरण	
			7	भार्क और मध्या— सख्या और पैकेज की किस्म, माप का विवरण	
			8	मात्रा	
			9	जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य	
			10	सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रमाणीकरण	
			मैं यह समझता हूँ और यह प्रमाणित करता हूँ कि ऊपर उल्लिखित परेषण में केवल (12 नवम्बर, 1980 के सहमत कार्ययुक्त के परिशिष्ट में दर्शित अनुसार मद का नाम) 12 नवम्बर, 1980 के सहमत कार्ययुक्त के परिशिष्ट 2 के अनुसार परम्परागत लोक प्रचलित वस्त्र हस्तशिल्प मद शामिल है ।		
			11	नाम और पूरा पता	
			12	पर	
				विनाफ	हस्ताक्षर
					मोहर

## MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 1st January, 1981

## EXPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 5-ETC(PN)/81

Subject.—Scheme of exports of textile products to Finland during 1981. Quota free exports of Indian Items

F. No. 2/54/80/EL.—The exports of certain textile products to Finland for the year 1981 will be regulated in accordance with the schemes notified through Public Notices No. 46-ETC(PN) / 80 and 47-ETC(PN)/80 of July 28, 1980 as amended from time to time. Since then as a result of the mid-term review of the Indo-

Finnish Textile Agreement, the Government of Finland have agreed that India Items i.e., traditional folklore handicraft textile products of India shall not be subject to quantitative restrictions of any kind when imported into Finland and accompanied by a certification by competent authorities. The agreed list of India Items is at Annexure I and the format of the certificate is at Annexure II.

2. The Textile Committee and the All India Handicrafts Board will be the authorities to issue the certificates at Annexure II after requisite inspection of the items concerned listed at Annexure I, the exports of which will be free of any quota restraint from January 1, 1981.

MANI NARAYANSWAMY,  
Chief Controller of Imports & Exports

ANNEXURE I TO PUBLIC NOTICE NO.5-ETC(PN)/81  
DATED 1st JANUARY, 1981

Agreed list of India items i.e. Traditional Folklore Handicraft Textile Products of India

India items are traditional folklore handicraft textile products, uniquely and historically Indian, made in cottage industry. They cover the products enumerated below (clothes and clothing accessories, decorative furnishing) and such other items as may be agreed upon from time to time.

Clothes and clothing accessories:

All the garments and accessories listed below are uniquely and historically Indian traditional folklore textile products on account of their similarity in shape and design with those of clothes and accessories traditionally worn in India.

The products listed below must have the following characteristics:

- they are produced in cottage industry units
- they do not include zip fastener
- they are ornamented in the characteristic Indian folk styles, using one of the following methods:
  - †hand painting, hand printing, handicraft batik or handicraft tie and dye (kalamkari).
  - †embroidery or crocheted ornamentation
  - †applique work of sequins, glass or wooden beads, shells, mirrors or ornamental motifs of textile or other materials by hand.
  - †extra-waft ornamentation

S. No.	Name	Description
1.	Kurta . . .	a loose almost straight-cut shirt or tunic-like garment, reaching to the hips, mid-thighs, knees or ankles with quarter, half or full length narrow or loose sleeves, with or without buttons, (not plain).
2.	Pheron . . .	a short or full-length, extremely loose fitting dress with long, loose sleeves, without buttons, embroidered ornamented or printed.
3.	Chola . . .	a full-length, loose fitting dress-like garments with sleeves, mainly for indoor wear.

S. No.	Name	Description
4.	Churidar Pyjama . . .	trousers, loose at waist (with drawstring or hooks) tapering to a narrow fit at the ankle.
5.	Salwar . . .	loose-fitting trousers, legs either straight or boggy with extra fullness at the thighs.
6.	Garara . . .	loose-fitting trousers with frills or flaring below the knee.
7.	Tamba . . .	loose-fitting trousers with typical Indian hand ornamentation.
8.	Lungi . . .	a long cylindrical garment worn as a wrap around the lower half of the body.
9.	Angharka . . .	a full-length, light-weight coat-like garment closing in front with a decorative cord or ribbon, with sleeves.
10.	Bagal Bandini . . .	a knee-length or full-length jacket or coat-like garment closing at the side with strings, with half sleeves or without sleeves.
11.	Aba . . .	a full-length dress with close fitting bodies, long, wide skirt, with sleeves.
12.	Burka . . .	a full-length cap-like garment covering the wearers' head and body with aperture for eyes covered with gauze or lace.
13.	Jawahar Jacket . . .	a loose-fitting jacket or waistcoat worn over a kurta, with or without buttons.
14.	Choli . . .	a short bodice with or without sleeves crocheted or woven.
15.	Ghagra Lahnga . . .	an ankle-length, very wide skirt with draw-string or hooks at waist.
16.	Pavaddai . . .	a set made of a full or ankle-length skirt and a bodice
17.	Dupatta . . .	a very lightwoven scarf about 120 cm x 80 cm worn with kurta and churidar
18.	Odhani . . .	a cloth about 2 cm x 1 cm with much ornamentation.
19.	Patka . . .	a long stole, non-printed ornamented with art work.
20.	Gulu Band . . .	neckband with traditional art work.
21.	Kamarband . . .	decorated waistband and textile belt.
22.	Bazuband . . .	decorative arm-band.
23.	Mathapati . . .	decorative forehead band.
24.	Safa . . .	headwear made up of traditional printed or embroidery work
II. Decorative Furnishings:		
25.	Toran . . .	a textile article traditionally to decorate door-posts, embroi

1	2	3	1	2	3
		dered or with applique work in folk motifs.			either a single design or repeated several times within a border.
26. Phombai		Cylindrical hanging with applique work or hand printed, hand-painted or hand-embroidered fabrics, traditionally hung from ceilings or in doorways.			Carpets with traditional pictorial designs (e.g. court hunting, polo jungle scenes etc.), modern designs with Indian motifs from ancient monuments and murals, and carpets in a single colour, without pattern, are also produced by hand in India.
27. Shamiana		Canopy or awning with applique work of aquares or triangles in contrasting colours, used as a ceiling decoration.	37. Hand-Woven Carpets.		of the kelon, Schumok and Karmania types.
28. Kalamkari		Wall-hangings with mythological scenes depicted by hand-painting or hand printing using wax.	38. Gabba		floor-coverings produced by hand-embroidery or by applique work on a base consisting of woven wool, felt or jute, with or without a cotton packings.
29. Temple Hangings		hand-painted or hand printed hangings with traditional mythological or religious motifs.	39. Naadas		a floor covering with felted woollen surface with or without traditional embroideries in various shapes and sizes.
30. Chakla		embroidered wall-hangings with or without mirror work, depicting folk motifs.	ANNEXURE II TO PUBLIC NOTICE NO. 5-ETC (PN)		
31. Batik Wall Pieces		wall hangings of cotton, with designs created by the traditional handcraft batik process (hand-waxing, dyeing and boiling being repeated for each colour).	Dated 1st January, 1981		
32. Chandani Posh		a decorative cover for a tea pot or coffee pot.	Certificate with regard to Traditional Folklore textile handicraft items (India items) issued in conformity with the Memorandum of Understanding with the Government of Finland amended by the agreed Minutes of 12-11-1980.		
33. Taxiagilaf		a cushion cover decorated with Indian motifs.	1. Exporters' Name Full address and country		
34. Phulkari		decorative embroidered cloth with close stitch employed with strands or unwisted silk to make the flower-like embroideries.	2. Consignees' full name and address		
35. Gaddiposh		decorative version of the beds spread sometimes quilted.	3. Country of origin		
36. Hand-Knotted Carpets		having woollen or cotton warp and weft and a woollen knotted pile, of which each knot or loop is made by hand and joins two warp threads. After each row of knots is completed, a weft thread is passed through the warp. The pile is subsequently shorn by hand to give the carpet the desired thickness. The traditional patterns used are common to India and neighbouring regions of south and Central Asia, and usually consist of stylised floral, animal geometrical motifs, in	4. Country of destination		
			5. Place and date of shipment and means of transport		
			6. Supplementary details, if any		
			7. Marks and Numbers—Numbers and kind of package Description of goods		
			8. Quantity		
			9. F.O.B. Value		
			10. Certification by the Competent authority		
			I, undersigned, certify that the consignment described above includes only (name of the item as appearing in Appendix .....to agreed Minutes of 12th November, 1980), Traditional folklore textile handicraft items as per Appendix II agreed Minutes of 12th November, 1980.		
			11. Name and full address :		
			12. At.....Dated.		
			Signature		
			Stamp.		

